ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम् विषय- व्याकरण पुनरावृत्ति

दिनांक—17/10/2020 अलंकार

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी</u> <u>पर आधारित</u>

काव्यों की सुंदरता बढ़ाने वाले यंत्रों को ही अलंकार कहते हैं। जिस प्रकार मनुष्य अपनी सुंदरता बढ़ाने के लिए विभिन्न आभूषणों का प्रयोग करते हैं उसी तरह काव्यों की सुंदरता बढ़ाने के लिए अलंकारों का उपयोग किया जाता है।

अलंकार दो शब्दों के मेल से बना है--

अलम् अर्थात भूषण

कार अर्थात सुसज्जित करने वाला

अतः काव्यों को शब्दों व दूसरे तत्वों की मदद से सुसज्जित करने वाला ही अलंकार कहलाता है ।
~~~~~~~~~~

अलंकार के मुख्यतः दो भेद होते हैं :

1. शब्दालंकार
2. अर्थालंकार

1. **शब्दालंकार**

जो अलंकार शब्दों के माध्यम से काव्यों को अलंकृत करते हैं, वे शब्दालंकार कहलाते हैं। यानि किसी काव्य में कोई विशेष शब्द रखने से सौन्दर्य आए और कोई पर्यायवाची शब्द रखने से लुप्त हो जाये तो यह शब्दालंकार कहलाता है।

शब्दालंकार के भेद:

1. अनुप्रास अलंकार
2. यमक अलंकार
3. श्लेष अलंकार

2.अर्थालंकार

जब किसी वाक्य का सौन्दर्य उसके अर्थ पर आधारित होता है तब यह अर्थालंकार के अंतर्गत आता है ।

अर्थालंकार के भेद

अर्थालंकार के मुख्यतः पाँच भेद होते हैं :

1. उपमा अलंकार

2. रूपक अलंकार
3. उत्प्रेक्षा अलंकार
4. अतिशयोक्ति अलंकार
5. मानवीकरण अलंकार

छात्र कार्य-प्रस्तुत पाठ्य सामग्री को लिखें एवं याद करें।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”